

B. A. Three/Four Year Semester V

Examination, December - 2025

(Faculty of Arts)

हिन्दी साहित्य

(आधुनिक काव्य)

Time Allowed : Three Hours

Maximum Marks : 120

समय सीमा : तीन घंटे

अधिकतम अंक: 120

प्रश्नों के उत्तर लिखने से पूर्व प्रश्नपत्र पर रोल नम्बर अवश्य लिखें। सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिये। प्रत्येक प्रश्न हेतु निर्धारित अंक उसके सामने अंकित हैं।

किसी भी परीक्षार्थी को पूराक उत्तर-पुस्तिका नहीं दी जाएगी। अतः परीक्षार्थियों को चाहिये कि वे मुख्य उत्तर-पुस्तिका में ही समस्त प्रश्नों का उत्तर का सही ढंग से लिखें।

खण्ड-अ के अन्तर्गत प्रश्न संख्या 1 अति लघु उत्तरी प्रश्न है, जिसमें सम्पूर्ण पाठ्यक्रम से 10 प्रश्न पूछे जाएंगे। प्रत्येक प्रश्न 2 अंक का होगा।

खण्ड-ब के अन्तर्गत प्रश्न संख्या-2, 3, 4 एवं 5 सप्रसंग व्याख्या का है, जिसमें इकाई 2, इकाई 3 एवं इकाई 4 में निर्धारित पाठ- से कुल 04 काव्यांश (एक कवि से एक) आंतरिक विकल्प सहित व्याख्या हेतु पूछे जाएंगे। (प्रत्येक प्रश्न 10 अंक का होगा।)

खण्ड-स के अन्तर्गत प्रश्न संख्या-6, 7, 8, एवं 9 निबन्धात्मक प्रश्न है, जिसमें प्रत्येक इकाई से एक प्रश्न आंतरिक विकल्प सहित पूछा जायेगा। प्रत्येक प्रश्न 15 अंक का होगा।

ruoldpapers.com

भाग-अ

1. निम्नलिखित अति लघुतरात्मक प्रश्नों के उत्तर दीजिए:-

[20]

- (क) 'हरिऔध' की किन्हीं चार काव्य कृतियों के नाम लिखिए।
(ख) "माता न कुमाता, पुत्र कुपुत्र मेले ही।" ये शब्द किसने, किससे और किस प्रसंग में कहे गये थे?
(ग) जयशंकर प्रसाद द्वारा रचित 'कामायनी' में कौन सा दार्शनिक विचार स्वीकार किया गया है?
(घ) 'सूर्यकान्त त्रिपाठी' 'निराला' की रचनाएँ सर्वप्रथम किस पत्रिका में प्रकाशित हुईं?
(ङ) रामधारी सिंह 'दिनकर' की चार रचनाओं का नामोल्लेख कीजिए।
(च) प्रयोगवादी काव्यधारा के प्रवर्तक कवि कौन हैं? इसका प्रचलन किस सम्पादित ग्रन्थ द्वारा हुआ?
(छ) 'वे और तुम' कविता के आधार पर बताइए कि वे क्या कर रहे हैं? किसके लिए कहा गया है?
(ज) 'जन-जन का चेहरा एक' के रचनाकार कौन हैं?
(झ) सुदामा पाण्डेय 'धूमिल' की प्रमुख रचनाओं का नामोल्लेख कीजिए।
(ञ) 'एक अजीब-सी मुश्किल' तथा 'उदासी के रंग' कविताओं के रचनाकार का नाम बताइए।

भाग-ब

2. निम्नलिखित अवतरण की सप्रसंग व्याख्या कीजिए-

[10]

जाते-जाते अगर पथ में क्लान्त कोई दिखावे।

तो तू जाके निकट उनकी क्लान्तियों को मिटाना।।

धीरे-धीरे परस करके गात उताप खोना।

सद्ग्रन्थों से श्रमित जन को हर्षितों-सा बनाना।

संलग्न हो सुखद जल के श्रान्तिहारी कणों से।

लेके नाना कुसुम कुल का गन्ध आमोदकारी।।

निर्धूली हो गमन करना उद्धता भी न होना।

जाते-जाते पथिक जिससे पंथ में शान्ति पावे।।

अथवा

उस रुदन्ती विरहिणी के रुदन-रस के लेप से,

और पाकर ताप उसके प्रिय-विरह विक्षेप से,

वर्ण-वर्ण सदैव जिनके हो विभूषण कर्ण के,

क्यों न बनते कविजनों के ताम्रपत्र सुवर्ण के?

3. निम्नलिखित अवतरण की सप्रसंग व्याख्या कीजिए-

[10]

अरी व्याधि की सूत-धारिणी-अरी अधि, मधुमरा अभिशाप।

हृदय-गान में धूमकेतु सी, पुण्य सृष्टि में सुन्दर पाप।

मनन कराएगी तू कितना? उस निश्चित जाति का जीव-

अमर मरेगा क्या? तू कितनी गहरी डाल रही है नींव।।

अथवा

भूख से सूख ओठ जब जाते
दाता भाग्य-विधाता से क्या पाते?
पूँट आँसुओं के पीकर रह जाते।
चाट रहे जूठी पत्तल वे कभी सड़क पर खड़े हुए।
और झपट लेने को उनसे कुत्ते भी हैं अड़े हुए।
ठहरो, अहो है मेरे हृदय में, अमृत मैं सींच दूंगा।
अभिमन्यु जैसे हो सकोगे तुम,
तुम्हारे दुःख मैं अपने हृदय में खींच लूंगा।

4. निम्नलिखित अवतरण की सप्रसंग व्याख्या कीजिए-
अगला जीवन किसलिए भला तब हो द्वेषान्ध बिगाड़ूँ मैं।
साँपों की जाकर शरण, सर्प बन क्यों मनुष्य को मारूँ मैं?
जा भाग, मनुज का सहज शत्रु मित्रता न मेरी पा सकता।
मैं किसी हेतु भी यह कलंक अपने पर नहीं लगा सकता।

[10]

अथवा

किन्तु हम हैं द्वीप।
हम धारा नहीं हैं।
स्थिर समर्पण है हमारा, हम सदा से द्वीप हैं स्रोतस्विनी के,
किन्तु हम बहते नहीं हैं क्योंकि बहना रेत होना है।
हम बहेंगे तो रहेंगे ही नहीं।
पैर उखड़ेंगे। प्लावन होगा, ढहेंगे, सहेंगे। बह जायेंगे।
और फिर हम चूर्ण हो कर भी कभी क्या धार बन सकते हैं?
रेत बनकर हम सलिल को तनिक गंदला ही करेंगे।
अनुपयोगी ही बनायेंगे।

5. निम्नलिखित अवतरण की सप्रसंग व्याख्या कीजिए-
शिवजी की तीसरी आँख से
निकली हुई महाज्वाला में,
घृत-मिश्रित सूखी समिधा-सम
कामदेव जब भस्म हो गया
रति का क्रन्दन सुन आँसू से
तुमने ही तो दग धोये थे
कालिदास! सच-सच बतलाना
रति रोयी या तुम रोये थे?

[10]

ruoldpapers.com

अथवा

घर रहेंगे, हमी उनमें न रह पाएंगे
समय होगा हम अचानक बीत जाएंगे
अनर्गत जिंदगी ढोते किसी दिन
हम एक आशय तक पहुँच सहसा बहुत थक जाएंगे।
मृत्यु होगी खड़ी सम्मुख राह रोके,
हम जगेंगे यह विविधता, स्वप्न खोके,
और चलते भीड़ में कंधे रगड़ कर
हम अचानक जा रहे होंगे कहीं सदियों अलग होके ।

भाग- स

6. "प्रिय प्रवास में जिस प्रेम और विरह का वर्णन है, वह व्यक्तिगत से अधिक परोपकार आश्रित है।" इस कथन के परिप्रेक्ष्य में प्रिय प्रवास की काव्यगत विशेषताओं का चित्रण कीजिए [15]

अथवा

7. साकेत के नवम सर्ग के आधार पर उर्मिला का चरित्र-चित्रण कीजिए।
कामायनी आधुनिक युग का महाकाव्य है।" इस कथन की समीक्षा कीजिए। [15]

अथवा

8. निराला की 'बादल राग-6' कविता के प्रतिपाद्य और उसकी विशेषताओं पर सोदाहरण विचार कीजिए।
दिनकर के "रश्मिरथी" काव्य के भाव पक्ष एवं कला पक्ष का विवेचना कीजिए। [15]

अथवा

- मुक्तिबोध द्वारा रचित 'जन-जन का चेहरा एक' शीर्षक कविता का मूल भाव लिखते हुए इसमें निहित सन्देश को स्पष्ट कीजिए। <https://www.uoronline.com>
9. "धूमिल की कविताओं में स्वतंत्र भारत की राजनीतिक विसंगतियों का चित्रण किया गया है।" इस कथन की युक्तियुक्त विवेचना कीजिए। [15]

अथवा

नागार्जुन की कविता 'अकाल और उसके बाद' के मूल प्रतिपाद्य को स्पष्ट कीजिए और बताइए कि क्या यह यथार्थ-बोध से जुड़ी हुई कविता है?

ruoldpapers.com